

NITIS. 8, 65. मत्तः सर्वे प्रवर्तते BHAG. 10, 8. SĀMĀHJAK. 25. असंकल्पितमेवेकं यदकस्मात्प्रवर्तते R. 2, 22, 24. तस्य कामः प्रवृत्ते गच्छने ऽग्निर्विवोत्थितः MBH. 1, 4871. कामं प्रवर्तन्तम् 12, 1064. क्रूरं प्रवत्स्यते 2, 658. Verz. d. Oxf. H. 50, b, 36. fg. उत्पाताः प्रावृत्तस्य BHATT. 15, 26. धर्मकामार्थसिद्धिश्च कोशादेतत्प्रवर्तते KĀM. NITIS. 13, 32. Spr. 53 (II). 4835. SARVADARĀṢANAS. 60, 11. महात्स्विन्नः R. 1, 61, 2. महात्स्विमर्दः R. GORR. 1, 63, 2. परिहासः ÇIÇ. 10, 12. अनुग्रहं संस्मरणप्रवृत्तम् KUMĀRAS. 3, 3. DAÇAK. 94, 11. प्रीतिं पूर्वप्रवृत्तां मे संवर्धयितुमर्हसि R. GORR. 1, 70, 13. संमानश्चावमानश्च लाभालाभि लयेदौ । प्रवृत्तानि निवर्तते Spr. 5186. ÇVETĀÇV. Up. 2, 12. सम्पयोगः प्रवर्तते MAITRĀJUP. 6, 28. प्रजनं न प्रवर्तते M. 3, 61. त्रिषु पिण्डः प्रवर्तते 9, 186. BHAG. 17, 24. HARIV. 296 (act.). R. 3, 71, 13. 4, 7, 9. द्विविधः प्रवर्तते सर्गः SĀMĀHJAK. 24. 32. Spr. 159. 2016. 4814. LA. (III) 87, 2. Schol. zu KĀTI. ÇR. 3, 3, 1. zu P. 1, 4, 59. ÇĀÑĀH. ÇR. 3, 2, 1. 3, 1. 13, 3, 1. SARVADARĀṢANAS. 164, 16. fg. 20. Comm. zu NĀJĀS. 2, 1, 43. गुरोर्यत्र परीत्रादौ निन्दा वापि प्रवर्तते Spr. 4029. 4421. 4785. MĀRK. P. 16, 35. प्रज्ञामु ते कश्चिदपचारः प्रवर्तते RAGH. 13, 17. प्रवृत्तं zu Stande gekommen, erfolgt, geschehen MBH. 4, 111. 3, 7534. HARIV. 11137. ÇĀK. 31, 3. BHĀG. P. 1, 10, 3. da seiend R. 2, 77, 23. Spr. 318. क्रूपः प्रवृत्तपानीयः MBH. 13, 3292. यथा दृष्टिः प्रवृत्ता मे so v. a. wiedergekehrt 3, 16874. — 5) beginnen, einen Anfang nehmen: एवं प्रवृत्ते युद्धम् MBH. 4, 1846. R. 4, 9, 75. RAGH. 12, 72. KATHĀS. 47, 50. RĀĒA-TAR. 6, 243. MĀRK. P. 82, 38. PRAB. 87, 10. यज्ञः R. 1, 60, 8 (82, 8 GORR.). कर्म 61, 8. यात्रामहेतवः RĀĒA-TAR. 1, 222. BHĀG. P. 3, 11, 33. द्यूतम् MBH. 3, 2298. 3035. 3037. 3047. क्लेशः R. 3, 22, 1. VARĀH. BRH. S. 8, 27. RĀĒA-TAR. 3, 168. कृतम् (युगम्) MBH. 3, 13099. संध्या 1, 6028. R. 1, 23, 2. प्रवृत्तं begonnen BHAG. 1, 20. MBH. 3, 1843. 3, 6005. 13, 7702. 7711. R. 2, 66, 23. R. GORR. 2, 96, 28. 3, 67, 10. 4, 23, 12. 5, 89, 11. ÇĀK. 4, 4. MĀLAV. 17, 18. VARĀH. BRH. S. 8, 28. KATHĀS. 4, 23. 42, 131. RĀĒA-TAR. 4, 114. 3, 339. DAÇAK. 77, 11. VOP. 6, 33. 58. — 6) beginnen —, anfangen —, anheben zu; mit infin.: तस्यमेव प्रवृत्ते गन्तुं तद्वहनं दिशि KATHĀS. 26, 12. मेघः प्रवृत्ते ऽत्र धारासारेण वर्षितुम् 12, 110. ततः प्रावर्तत जवाद्गन्तुं सागरगामिनी RĀĒA-TAR. 5, 33. ब्रह्मविद्यया वक्तुं लब्धावसरा श्रुतिः प्रवृत्ते KAUSH. Up. Einl. प्रवृत्ते देवं पूजयितुं कर्म KATHĀS. 11, 67. 12, 106. 13, 31. 83. 129. 18, 157. 22, 201. 24, 224. 26, 134. 27, 184. 29, 75. 32, 44. 35, 136. 36, 115. 126. 43, 199. 32, 162. 64, 34. BHATT. 14, 95. अथाकस्मात्प्रवृत्ते (impers.) तया साध्या प्ररोदितुम् KATHĀS. 10, 36. प्रवेष्टुं प्रवृत्तवान् 42, 126. वातश्च तत्तर्णां वातुं प्रवृत्तो ऽभूत् 44, 136. इयं पावयितुं लोकान्प्रवृत्ता भगिनी मम R. GORR. 1, 36, 9. 5, 11, 9. R. SCHL. 2, 64, 45. RAGH. 13, 14. ÇĀK. 126. VIKR. 90. KATHĀS. 2, 79. 9, 57. 13, 129. 23, 18. 26, 137. 27, 166. 29, 199. BHĀG. P. 5, 10, 20. — 7) sich anschicken zu, gehen —, sich machen an, sich hingeben; mit dat.: क्रियाविधाताय RAGH. 3, 44. उद्दरीपूर्णाय Spr. 1783, v. 1. MĀLATIM. 4, 4. PRAB. 14, 6. तदर्थव्याख्यानाय ब्राह्मणं प्रवर्तते ÇĀMĀK. zu BRH. ĀR. Up. S. 267. तपसे KUMĀRAS. 3, 33. प्रकृतिहिताय ÇĀK. 194. षड्यः कर्मभ्यः MBH. 13, 1566. मैथुनाय BHĀG. P. 9, 20, 36. mit अर्थम्: लोकस्य हितकामार्थं प्रवृत्ता भगिनी मम R. 1, 35, 9. उदकपानार्थम् SĀJ. zu RV. 1, 32, 5. mit loc.: अन्याये M. 9, 292. पैशुन्ये MBH. 13, 5868 (act.). अकार्येषु KĀM. NITIS. 1, 60. क्रियायाम् Spr. 31 (II). अकुत्सिते कर्मणि 2717. त्रियासु SĀMĀHJAK. 38. वापिष्ये KATHĀS. 26, 126. अस्मिन्नर्थे DAÇAK. 66, 12.

P. 3, 2, 184, Schol. अग्निहोत्रादेि SARVADARĀṢANAS. 3, 6. अवृत्ते प्रवर्तमानता 58, 12. मनस्तेषु प्रवर्तताम् so v. a. richte sich darauf MBH. 3, 2165. ÇĀK. 25, 8. शोभना साधनेन मुकुन्दे प्रवर्तते so v. a. sein Sinnen und Trachten ist gerichtet auf VOP. 5, 24. निग्रहे ऽपि समर्थस्य तस्य पापस्य — प्रावर्तत न मे बुद्धिस्तदा R. 4, 8, 56. न तस्य कामः कामेषु पापकेषु प्रवर्तते MBH. 3, 1877. प्रवृत्तं begriffen in, beschäftigt mit, hingegeben, obliegend: परदारभिमर्शेषु M. 8, 352. वार्यगलाभङ्गे RAGH. 3, 45. संप्रहे SARVADARĀṢANAS. 41, 6. häufig in comp. mit der Ergänzung: वेणुशय्याप्रवृत्तं R. 5, 13, 47. कामकार् 2, 22, 8. कार्यं KATHĀS. 32, 92. कृष्टं 39, 231. कामकर्म 45, 42. 46, 55. जलकोडा 56, 249. प्रमदं 414. कुलत्तयं PRAB. 12, 12. HIT. 68, 13. PANĀT. 248, 7. धर्मं MBH. 14, 75. न्यायं KĀM. NITIS. 1, 13. धार्यं R. GORR. 2, 126, 6. वधप्रवृत्तस्य वधानुत्पादे प्रापश्चितम् so v. a. einen Mord beabsichtigend Verz. d. Oxf. H. 87, b, 14. — 8) sich an Jmd (loc.) machen, feindselig gegen Jmd auftreten, sich vergreifen an: एते न (so ist zu trennen) बद्ध मन्यन्ते न प्रवर्तन्ति चापरे MBH. 13, 3025. नाग्रिमौ प्रवर्तते R. 5, 51, 16. किम् — राजिलेषु गरुडः प्रवर्तते RAGH. 11, 27. auch mit acc.: यांस्त्वं मोहादवमन्य प्रवृत्तः MBH. 3, 15714. अन्याऽन्यम् so v. a. unter einander Unzucht treiben Spr. 4815. — 9) verfahren, zu Werke gehen; mit loc. der Person: मयि मिथ्या MBH. 3, 2414. यथान्यायम् 3, 7081. यथा R. 4, 16, 23. एवम् KATHĀS. 4, 34. अन्याथा MĀRK. P. 28, 36. सर्वकार्येषु स्वेच्छतः HIT. 69, 19. उत्क्रम्य हि स्थितिं देवीं (so die neuere Ausg.) प्रवर्तामि HARIV. 7258. NĀJĀS. 1, 1, 24. SARVADARĀṢANAS. 113, 16. 121, 4. एवं प्रवृत्तः so verfahren MBH. 1, 7662. HARIV. 3787. 7298. कामतम् M. 3, 12. दिष्ट्या (so die neuere Ausg.) HARIV. 7304. साधु KĀM. NITIS. 18, 68. सुं HARIV. 5174. अं schlecht verfahren MBH. 13, 6695. mit instr. bei seinem Verfahren Etwas anwenden: यथा वृत्त्या KĀM. NITIS. 5, 80. वित्तपुत्र्या Comm. zu NĀJĀS. S. 3, Z. 1 v. u. मायया BHATT. 9, 58. धारणाभावेन TATTVAS. 15. त्रिभिः कर्मभिः M. 4, 9. गुणैः BHĀG. P. 1, 5, 16. तद्वच्चैव प्रवर्ते ऽहम् so v. a. ich richte mich nach deinen Worten KATHĀS. 24, 57. mit loc.: वाक्ये मन्त्रिणाम् Spr. 1358. mit abl.: मयि लोभात्प्रवर्तते HARIV. 9227. रभसात् KATHĀS. 32, 93. — 10) wirkend auftreten, seine Wirkung äußern; zur Geltung —, zur Anwendung kommen: स्वभावः BHAG. 5, 14. तस्यैवाज्ञा प्रवर्तताम् R. 2, 58, 20. Spr. 1383. Schol. zu P. 7, 1, 36. Comm. zu NĀJĀS. 1, 1, 1 (S. 3, Z. 9). कुशलपदं प्रवीणो वर्तमानम् die Bedeutung von प्रवीण habend SARVADARĀṢANAS. 172, 18. 161, 10. mit abl.: कारणमस्त्यव्यक्तं प्रवर्तते त्रिगुणतः समुद्राच्च । परिणामतः SĀMĀHJAK. 16. प्रवृत्तं कर्म eine auf ein bestimmtes Ziel gerichtete Handlung, eine Handlung, von der man sich einen Vortheil verspricht M. 12, 88. fgg. BHĀG. P. 4, 4, 20. 7, 15, 47. 49. 4, 29, 13. dienen —, verhelfen zu (dat. oder mit अर्थम्) Comm. zu NĀJĀS. 2, 1, 55. SARVADARĀṢANAS. 152, 11. fgg. — 11) fortbestehen, fortwähren SARVADARĀṢANAS. 115, 21. 168, 9. mit einem partic. praes. fortfahren Etwas zu thun: वसन्तत्र प्रवृत्ते तदा HARIV. 7706. भक्तयतः प्रवर्तते 15268. क्रूपः सुप्रवृत्तो नित्यशः so v. a. stets in guter Ordnung befindlich MBH. 13, 3292. — 12) werden zu (nom.): काशिकी परमोदारा सा प्रवृत्ता महानदी R. 1, 35, 8. — 13) vorhanden sein, da sein BHĀG. P. 2, 9, 10. द्रष्टुमेतो मम महीमतीवेच्छा प्रवर्तते MĀRK. P. 61, 14. 133, 1. यतो ममापि मरुदुःखं प्रवर्तते PANĀT. 114, 18. — 14) als transit. = caus. vollbringen, vollführen: एवंविधानि कर्माणि प्रावर्तत R. 7, 36, 30.